विकलांग मंच

विकलांग समुदाय का मार्गदर्शक पाक्षिक

वर्ष : 30 अंक: 2	जयपुर 16 जुलाई, 2015	RNI No.: 46429/86 Po.Regn.No.:Jaipur City/207/2015-17	वार्षिक शुल्क: 50/- प्रति मूल्य: 2.50

विकलांग मंच के आजीवन/वार्षिक सदस्य बनें एवं दूसरों को भी इसके सदस्य बनने की प्रेरणा दें

विकलांग मंच

8/141, मालवीय नगर, जयपुर-302017

फोन:0141-2547156, 9351960369,9352320013, फैक्स:0141-4036350

E-Mail:vicklangmanch@ymail.com E-Mail:vicklangmanch@gmail.com

सिविल सेवा परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली

सुश्री इरा सिंघल सम्मानित

दिल्ली। केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री थावर चंद गहलोत ने सिविल सेवा परीक्षा, 2014 में अखिल भारतीय स्तर पर पहला स्थान प्राप्त करने वाली सुश्री इरा सिंघल को यहां सम्मानित किया। इस अवसर पर नि:शक्तजन सशक्तीकरण विभाग में सचिव लव वर्मा और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

यह एक ऐतिहासिक अवसर है जब सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर पहला स्थान प्राप्त करने वाली एक नि:शक्त महिला हैं। मंत्री महोदय ने बताया कि विभाग की योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए वह ब्रांड अंबेसडर हो सकती हैं और उनकी उपलब्धि से पूरी युवा पीढ़ी को आगे आकर सर्वश्रेष्ठ ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरणा मिलेगी। नि:शक्तजन सशक्तीकरण विभाग के सचिव लव वर्मा ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनके द्वारा सुझाई गई उन समस्याओं का समाधान किया जाएगा, जिसका सामना प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेते समय नि:शक्तजनों को करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि विभाग शीघ्र ही यह सुनिश्चित करेगा कि नि:शक्तजनों के लिए समन्वित मार्गनिर्देश उपलब्ध हो। नि:शक्तजन सशक्तीकरण विभाग के संयुक्त सचिव अवनीश के.अवस्थी ने बताया कि संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और अन्य शैक्षिक संस्थानों से विचार-विमर्श करके उनका विभाग यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करेगा कि ऐसे मार्गनिर्देश तैयार किए जाएं, जिनसे नि:शक्तजनों के समावेशन, उनकी भागीदारी तथा उनके सशक्तीकरण में मदद और बढ़ावा मिले।

नि:शक्तजनों की ब्रांड एम्बेसेडर बन सकती हैं इरा सिंघल

संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाली शारीरिक रूप से निशक्त इरा सिंघल ऐसे अन्य लोगों के लिए प्रेरणा हैं। लिहाजा केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय उन्हें अपने कार्यक्रमों का ब्रांड एम्बेसडर बना सकता है।

थावर चंद गहलोत ने एक बयान में कहा, इरा मंत्रालय के निशक्तजनों के सशक्तीकरण से संबंधित विभाग की योजना तथा कार्यक्रम की ब्रांड एम्बेसेडर बन सकती हैं।

स्कोलियोसिस बीमारी से पीड़ित है इरा

यूपीएससी-2014 की परीक्षा में जनरल कैटिगरी में टॉप करने वाली इरा सिंघल को स्कोलियोसिस बीमारी है। इस वजह से वह लगभग 60 पर्सेंट डिसेबल हो गई हैं। ऐसे में उनका आईएएस बनना तो तय है, लेकिन उन्हें फील्ड पोस्टिंग मिलेगी या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। हालांकि, डिपार्टमेंट ऑफपर्सनेल ऐंड ट्रेनिंग के अनुसार, सिलेक्शन होने के बाद पोस्टिंग में कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। मगर, अब तक जितने भी ऐसे उम्मीदवारों का चयन हुआ है, उन्हें फील्ड पोस्टिंग नहीं दी गई है। डीओपीटी के सूत्रों के अनुसार हाल के दिनों में ऐसी कई शिकायतें भी मिली हैं, जिनमें ऐसे अधिकारियों ने अपने साथ भेदभाव की शिकायत की है।

लंबी लड़ाई लड़ी है इरा ने: इरा ने बताया कि 2010 में उन्होंने पहली बार यूपीएससी की परीक्षा दी और इसमें उन्हें 815 रैंक मिली। उन्हें भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी बनने का अवसर मिला, लेकिन सभी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद भी उन्हें मेडिकल के स्तर पर अयोग्य करार दे दिया गया। इसके बाद उन्हें अपने साथ हुए इस अन्याय के खिलाफसेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (कैट) का रुख किया। वहां से राहत पाकर हैदराबाद में राजस्व अधिकारी के लिए ट्रेनिंग कर रही हैं। इरा ने बताया कि 2012 में शुरू हुई इस लड़ाई का नतीजा वर्ष 2014 में मिला। इस दौरान उन्होंने 2012- 2013 में भी इस परीक्षा में सफलता पा ली। हर प्रयास में उन्होंने पहले की तुलना में ज्यादा बेहतर रैंक हासिल की।

बिना हाथों के उड़ा लेती है विमान

वो गजब की व्यक्तित्व वाली महिला हैं। हाथों के ना होते हुए भी उन्होंने खुद को कभी भी कमतर नहीं माना और ऐसे-ऐसे काम करती हैं कि कोई समर्थ भी ना कर पाए। हम आपको मिलवाना चाहते हैं 32 साल की जेसिका कॉक्स से जिनके जन्म से ही दोनों हाथ नहीं थे। अफसोस करने वाले कई लोगों को खबर भी नहीं थी कि वो क्या बनने वाली हैं। ऐसा शायद ही कोई बड़ा काम है जो वो बिना हाथों के नहीं कर सकती हैं। वो अमेरिका के ऐरिजोना से हैं और हाथों के ना होने के बावजूद विमान उड़ाती हैं। जेसिका जब छोटी थी तो उनकी चाल को आरामदायक बनाने के लिए उन्हें प्रोसथेटिक लिंब्स दिए गए थे। लेकिन कुछ दिनों बाद ही उन्हें ये गले की फांस लगने लगा।

वो इस बात के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं थी कि उन्हें किसी मशीन के ऊपर निर्भर रहकर बड़ा होना पड़े। उन्होंने तय किया कि वो पैरों से ही अपनी जिंदगी जिएंगी और उनके इस फैसले को दुनिया को साबित करके दिखाएंगी। आपको हैरत होगी जानकर कि जेसिका कई कामों में माहिर हैं। वो मार्शल आर्ट्स एक्सपर्ट हैं और पैरों से ही दुश्मन को ढेर कर देने की सक्षम भी।

जेसिका के लिए उनके पैर ही सब कुछ हैं। इन्हीं पैरों से वो पियानों बजा लेती हैं। जी हां पैरों से उस बड़े से म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट को एकदम परफेक्ट अंदाज

में बजाना। यहीं नहीं वो टाईक्वांडों में ब्लैक बेल्ट हैं और बिना हाथों के स्विमिंग भी कर लेती हैं। मतलब ऐसा कुछ भी नहीं जो उनसे छूटा है।

जेसिका शादी-शुदा हैं और अपने दांपत्य जीवन में काफी खुश हैं। उनके पति का पैट्रिक चैंबरलेन हैं। वो उनसे तब मिले थे जब वो भी टाईवांडों सीखने उसी क्लास में आते थे जिसमें वो जाती थीं।

दोनों को एक-दूसरे से प्यार हुआ और शादी कर ली। पैट्रिक का कहना है कि वो जेसिका के जीवन के प्रति रवैये से हमेशा हैरान रहते हैं। जिस जोश के साथ वो अपनी जिंदगी जीती हैं वैसा किसी आम व्यक्ति में भी देखने को नहीं मिलता। जेसिका डांसिंग भी काफी बढ़िया करती हैं। वो कभी भी अपने आप को रूका हुआ नहीं देखना चाहती है। अपनी काबिलियत से उन्होंने सबको दीवाना बना लिया है। दुनिया की पहली ऐसी महिला बनने के बाद जो बिना हाथों के भी विमान उड़ा लेती हैं, गिनीज ने भी उनको अपनी लिस्ट में साल 2008 में शामिल कर लिया। उन्होंने साबित कर दिया कि अगर इच्छाशक्ति है तो इस दुनिया में कुछ भी नहीं जो हासिल नहीं किया जा सकता। सबकुछ किया जा सकता है। जरूरत है तो बस एक सकारात्मक ख्याल की।

जेसिका बहुमुखी प्रतिभा की धनी हैं और दुनिया भर में घूम-घूमकर लोगों को बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करती रहती हैं। वो एक मोटिवेशनल स्पीकर भी हैं। उनके पति भी इस काम में उनका साथ देते हैं और उनके बड़े दीवाने हैं।

जेसिका ने 32 साल की उम्र में ही खुद को साबित कर दिया है कि वह पूरी दुनिया के लिए मिसाल हैं।

विचार मंच

माली आवत देख के, कलियन करे पुकारि।
फूले फूले चुनि लिये, कालि हमारी बारि॥
अर्थः माली को आते देखकर कलियां कहती हैं कि आज तो उसने फूल चुन लिया पर कल को हमारी भी बारी भी आएगी क्योंकि कल हम भी खिलकर फूल हो जाएंगे। **-रहीम जी**

बेहतर शिक्षा की जरूरत

विकलांगों की ओर से अपनी शारीरिक हीनता को दरकिनार कर आत्मबल के बल पर सफलता के झंडे गाड़ने वालों के लिए पुरस्कारों और सम्मानों की बात भी होती है लेकिन ऐसी पहल व्यावहारिक स्तर पर भ्रष्टाचार में डूबे सरकारी कार्यक्रमों के प्रचार की खबर बनने के अलावा कुछ नया करती नहीं दिखती है। यही कारण है कि प्राकृतिक दोष अथवा हादसों के कारण मिली जीवन की तमाम चुनौतियों का सामना कर रहे उन लोगों के कल्याण के लिए उतना भी संभव नहीं हो पा रहा है, जितना तय किया गया है। बतौर उदाहरण, विकलांगों को अपने हक की सरकारी नौकरियां तक आसानी से नहीं मिल पा रही हैं। निजी क्षेत्र की कंपनियों में तो इस दिशा में पहल की गुंजाइश नहीं के बराबर होती है।

विकलांगों को भी रोजगार के पहले उनकी कमजोरियों और जरूरतों के अनुरूप बेहतर शिक्षा की जरूरत है। केंद्र सरकार ने इस बीच व्यवस्था में कई अहम सुधार का फैसला किया है। इनमें बच्चों को स्कूलों में आकर्षित करने के लिए बाल मन के अनुकूल माहौल बनाने के अलावा बोलचाल की भाषा यानी मातृभाषा में शिक्षा देने, स्कूलों में भय, दबाव और तनाव रहित माहौल बनाने के उपाय करने को कहा गया है। निःशुल्क किताबों और दूसरी योजनाओं को सही समय पर लागू करने की कोशिश भी हो रही है लेकिन व्यवस्था में गड़बड़ियों के चलते उनकी शिक्षा व्यवस्था में जमीनी स्तर पर कोई कारगर सुधार होता नहीं दिखता है। स्कूली शिक्षा की बात करें तो देश में कई शिक्षा आयोगों का भी गठन हुआ है। लेकिन इसके तहत विकलांगों की शिक्षा संबंधी सिफारिशों पर अमल करने की दिशा में अब तक अपेक्षित सफलता नहीं मिल पायी है। यों कहे कि कभी ईमानदारी से प्रयास ही नहीं किये गये हैं। इसके अलावा शिक्षा का अधिकार कानून (आरटीई) लागू होने के इतने सालों बाद भी विकलांगों के मामले में कोई सार्थक परिणाम नहीं मिल रहे हैं। कहने को तो सर्व शिक्षा अभियान में भी उन विशेष बच्चों यानी मूक, बधिर, नेत्रहीन, मंदबुद्धि और सामान्य से अलग दूसरे तरह के अपाहिज बच्चों की विशिष्ट शिक्षा के लिए सालों से कोशिश हो रही है। उस अभियान के तहत चलने वाले तमाम स्कूलों में हर साल सत्र की शुरु आत में हर गांव मोहल्ले में होने वाली बाल गणना हाउस होल्ड सर्वे के जरिये विकलांगों के बारे में भी हर तरह की जानकारी जुटाई जाती है। उस जानकारी के आधार पर ही एसएसए में विशेष बच्चों की शिक्षा के लिए विशेष टीचर और दूसरे पदनामों से मानदेय पर शिक्षक नियुक्त किये जाते हैं। लेकिन ज्यादातर शिक्षक सीमित क्षेत्र के स्कूलों में भ्रमण कर महज कागजों में ही पढ़ाने का काम करते हैं। ध्यान दें तो, सभी विद्यालयों में अनिवार्य रूप से और पर्याप्त संख्या में विशिष्ट शिक्षकों की नियुक्ति के साथ ही आधुनिक संसाधन मुहैया कराये जाने की बात तो दूर, सामान्य बच्चों को शिक्षा देने के लिए ही बड़ी संख्या में शिक्षकों की भर्ती नहीं हो पा रही है। कामचलाऊ रूप में रखे गये टीचर अप्रशिक्षित होने के कारण आरटीई के मानकों पर खरा नहीं उतर पाते हैं। देश में शिक्षाविदों और समाजसेवियों द्वारा लंबे अरसे से शैक्षिक अवसरों की समानता बढ़ाने की बात कही जा रही है। इसी तरह निजी क्षेत्र के लाखों स्कूलों में हालात कम खराब नहीं हैं। ऐसे मेंए नयी आरक्षण व्यवस्था के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश के बाद विकलांगों को शिक्षा देने का काम बहुत कठिन है। यूं कहने को तो अलग से विकलांग विश्वविद्यालय खोलने की बात भी चल रही है। देश में विशेष शिक्षक के पद पर नियुक्ति के लिए विशेष शिक्षा में बीएड या दूसरी प्रशिक्षण योग्यता भी अनिवार्य है लेकिन सबसे बड़ा कड़ुवा सच यह है कि विकलांगों के शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानों की संख्या उंगलियों पर गिनने भर की है। उनमें भी सीटें बहुत कम हैं। अलग से संस्थानों के नाम पर खुली चुनिंदा संस्थाएं दशकों से बदहाल हैं। सरकारी स्कूलों में तो चौकीदार नहीं होने के कारण स्कूलों के बंद होने के बाद विकलांग बच्चों के लिये बनवाये गये रैंप ध्वस्त कर उनमें लगी ग्रीलें चोरी हो जातीं हैं। लिहाजा मरम्मत के लिए हर साल फंड दिये जाते हैं। ऐसी स्थिति में सर्व शिक्षा अभियान में कार्यरत विशिष्ट अध्यापकों की नियुक्ति योग्यता, दक्षता और उनके शिक्षण की गुणवत्ता इस बिना पर भी संदेहास्पद है कि इन सीमित संस्थानों से इतने कम समय में हजारों के पैमाने पर विशिष्ट शिक्षक प्रशिक्षण प्रमाण पत्र कैसे जारी हो गये हैं। हकीकत यह है कि देश में इस तरह की प्रशिक्षण योग्यता देने वाले संस्थानों की तादाद बेहद कम है। ऐसे में सर्व शिक्षा अभियान में भरे गये हजारों पदों पर दूसरी तरह की योग्यता रखने वाले शिक्षकों से काम चलाया जा रहा है। दूसरा पहलू यह है कि उन जरूरतमंद बच्चों को भी शिक्षा देने के बारे में निजी स्कूलों की दलील बेहद अफसोसजनक रही है। करोड़ों रुपये की लागत से बने और सामान्य बच्चों की शिक्षा के एवज में करोड़ों रुपये वसूलने वाले उन स्कूलों ने कहा है कि इसके लिए उन्हें भी सरकार से शिक्षकों और संसाधनों की खातिर ज्यादा धन की जरूरत है। नेक नीयत से अगर प्रयास हों तो उसी कानून को व्यवहार में सक्रिय बना कर निजी स्कूलों को विशिष्ट बच्चों की शिक्षा के बेहतरीन उपाय करने के लिए प्रेरित और बाध्य किया जा सकता है

नेत्रहीन प्रेमिका से शादी पर दूल्हे को घर से निकाला, समाज ने किया सम्मानित

रांची-गिरिडीह। विकलांग जनकल्याण संघ की मासिक बैठक में झारखंड के गिरिडीह जिला निवासी दिनेश ठाकुर को सम्मानित किया गया। दिनेश ने पिछले दिनों झरियागादी की नेत्रहीन युवती से शादी रचा मिसाल कायम की थी। इसी वजह से संघ के सदस्यों ने उसे माला पहनाकर सम्मानित किया। बताते चलें कि दिनेश ने अपनी नेत्रहीन प्रेमिका सावित्री से बीते 22 जून को शादी की थी। इसके बाद दिनेश के परिजनों ने उसे घर से निकल जाने की सजा दी थी।

परिवार के विरोध पर भी नहीं बदला निर्णय

नेत्रहीन सावित्री से विवाह की बात दिनेश के परिवार वालों को नागवार गुजरी थी। दिनेश के निर्णय का घर वालों ने विरोध भी किया था। किसी ने समझाया तो किसी ने इस शादी के बाद होने वाली मुश्किलों से भी अवगत कराया। पर तमाम विरोध के बावजूद दिनेश ने निर्णय नहीं बदला।

चितरंजन व सोनाली की शादी से मिली प्रेरणा

तेजाब हमला कांड की पीड़िता सोनाली मुखर्जी व चितरंजन की शादी ने दिनेश को प्रेरित किया। दिनेश ने बताया कि चितरंजन ने इंजीनियर होते हुए भी सोनाली का हाथ थामा। इसके बाद उसे भी नेत्रहीन सावित्री से शादी की हिम्मत मिली। उसने दिल की सुनी और अपना फैसला परिवार वालों को सुना दिया।

मैं जन्म से नेत्रहीन हूं। मैंने कभी सपने में भी शादी की बात नहीं सोची थी। मुझे नहीं लगता था कि कोई मुझ जैसी अंधी का हाथ थामेगा। दिनेश ने मुझ से विवाह कर मेरी अंधेरी जिंदगी को ज्योति दी है। **-सावित्री, दुल्हन।**

निःस्वार्थ सेवा ही सार्थकः साध्वी सुमित्रा

उदयपुर। सेवा वही सार्थक है, जो निःस्वार्थ हो और दान वही फलीभूत होता है जो यश की कामना के बिना किया जाए। यह विचार बुधवार को श्रमण संघीय आचार्य शिव मुनि की आज्ञानुवर्ती तप चक्रेश्वरी साध्वी सुमित्रा जी म.सा. आदि ठाणा-7 ने 'नारायण सेवा संस्थान' में 101 जन्मजात निःशक्त (विकलांग) बच्चों के निःशुल्क चिकित्सा शिविर के उद्घाटन पश्चात आयोजित अभिनन्दन समारोह में व्यक्त किए।

संस्थान संस्थापक पद्मश्री कैलाश मानव ने बताया कि साध्वी समूह ने मानव मन्दिर स्थित पोलियो हॉस्पिटल में देश के विभिन्न राज्यों से ऑपरेशन के लिए आए निःशक्त बच्चों से मुलाकात की एवं उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। साध्वी चेलना जी म.सा. व डॉ सुनीता जी म.सा. ने संस्थान की सेवाओं की सराहना करते हुए अपनी शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में उदयपुर जैन समाज के नानालाल कोठारी, भगवतीलाल, मदनलाल सिंघवी, थावर चन्द ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन महिम जैन ने किया।

15 निःशक्त जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

खंडवा (इंदौर)। शुक्रवार को निःशक्तों का सामूहिक विवाह हुआ। इस दौरान 15 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे।

सीमा ने दोनों पैरों से निःशक्त मिथुन वास्कले से शादी की। रिश्तेदारों ने गोद में उठाकर मिथुन को मंडप तक पहुंचाया। सीमा सहित सात युवतियां रानी लालसिंह, वर्षा राजाराम, सीमा भारसिंह, सीमा गोपाल, संगीता रग्दा, ठुमरी प्रताप, संगीता ज्ञानसिंह ने निःशक्त युवकों और एक सामान्य युवक रामेश्वर ने निःशक्त युवती से शादी कर एक उदाहरण पेश किया। कुछ विकलांग दूल्हों ने हाथों के सहारे चलकर सात फेरे लिए तो कुछ बैठे रहे। उनकी दुल्हनों ने फेरे लिए।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत कांता विकलांग सेवा ट्रस्ट झाकर के तत्वावधान में आयोजन हुआ। मंगल भवन में सुबह 11.30 बजे से शादी की रस्में शुरू हुई। आयोजन गायत्री परिवार ने कराया। श्रम मंत्री और सांसद ने नवविवाहित दंपतियों को आशीर्वाद देकर उनके सुखद दांपत्य जीवन की कामना की। सैकड़ों लोग इस आयोजन के गवाह बने। सामूहिक विवाह में शामिल तीन युवक ऐसे थे जो दोनों पैरों से विकलांग थे।

इनकी हुई शादी

बड़वानी, निवाली, राजपुर और पाटी के जोड़े शामिल हुए। अनिल और संजिता, लनखन और मेथली, आपसिंह और सीमा, भीमसिंह और सुशीला, मिथुन और सीमा, रामेश्वर और कल्पना, बाबूलाल और सायटी, अनूप और संगीता, काशीराम और वर्षा, गुड्डू और भागड़ा, राकेश और हुमटी, तुलराम और रानी, प्रकाश और चंपा, दिनेश और अंकिता विवाह बंधन में बंधे।

विकलांग मंच कार्यालयः प्लाट नं. 141, सेक्टर-8, मालवीय नगर, जयपुर-302017, फोन:0141-2547156. फोटो टाइपसेटिंगः टास्क ग्राफिक्स (मोबा.:9828278728)। मुद्रितः श्रीराम आफसेट, जोरावरसिंह गेट बाहर, आमेर रोड, जयपुर। संरक्षकः डी.आर.मेहता (रिटा.आईएएस)। प्रधान संपादकः एम.आर.सिंघवी (रिटा.आईआईएस)। प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादकः एन.के.खत्री। संपादकीय सलाहकारःडॉ. अरुण माथुर। हाडोती अंचल ब्यूरो प्रमुखः अर्जुन देव चद्दा, कोटा। प्रबन्धकःधर्मपाल। E-Mail:vicklangmanch@ymail.com / vicklangmanch@gmail.com

मस्तिष्काघात से निपटने के लिए कार्यशाला

जयपुर। राजस्थान में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की गैर संक्रामक रोग इकाई (एनपीसीडीसीएस) ने राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (सीफू) में मेडिकल कॉलेज व जिला अस्पतालों के औषधि व आपातकालीन इकाई के चिकित्सा अधिकारियों के लिए मस्तिष्काघात (स्ट्रोक) से निपटने हेतु राज्यस्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की।

कार्यशाला में स्ट्रोक मैनेजमेंट के अंतर्गत स्ट्रोक स्थितियों की जानकारियों के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार गतिविधियों पर बल दिया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अतिरिक्त मिशन निदेशक एवं निदेशक आईईसी डॉ.नीरज के पवन ने कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए बताया कि प्रदेश में वर्ष 2010 से राष्ट्रीय कैंसर, डायबिटीज, हृदयघात एवं स्ट्रोक नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) प्रारंभ किया गया एवं इसके तहत सभी जिला अस्पतालों में गैर संक्रामक रोग चिकित्सा इकाई गठित की गयी है। उन्होंने बताया कि जिलास्तरीय अस्पतालों में समस्त आवश्यक दवाईयों की व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं जिलास्तरीय स्ट्रोक मैनेजमेंट इकाईयां गठित की जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि असंचारी रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं नर्सिंगकर्मियों को प्रशिक्षित करके इन्हें स्ट्रोक, हृदयघात इत्यादि की स्थितियों में त्वरित उपचार सेवाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था हैं एवं इन रोगों की व्यापक जानकारियां जनमानस को पहुंचाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनायी गयी है। पवन ने स्ट्रोक एवं हृदयघात की आपातस्थिति में रोगी को प्रारंभिक उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में कार्यरत समस्त 741 आपातकालीन 108 एम्बूलेंसों में नियुक्त पैरामेडिकल स्टॉफ एवं पायलेट को विशेष स्ट्रोक संबंधित प्रशिक्षण देने एवं स्ट्रोक स्थितियों में सावधानियां बरते जाने के पोस्टर एम्बूलेंस में प्रदर्शित कराने के निर्देश दिये।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली की वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त स्ट्रोक स्पेशलिस्ट डॉ. एम.पी. पदमा ने बताया कि मस्तिष्क में रक्त आपूर्ति में रूकावट होने से धमनियों में थक्के जमने-धमनी फटने से मस्तिष्कआघात होता है एवं इसके लक्षण प्रकट होने के साढ़े चार घंटे की अवधि के अंदर उपचार आरंभ करने पर संभावित मृत्यु या अन्य शारीरिक क्षति से बचाव संभव है। उन्होंने बताया कि बगैर कारण सिर में तेज दर्द, मानसिक व्याकुलता, आंखों में देखने में कठिनाई, हाथ-पैर में अचानक सुन्नता एवं शारीरिक संतुलन बिगड़ने इत्यादि स्ट्रोक के मुख्य लक्षण हैं एवं लक्षण प्रतीत होते ही बिना देर उपचार कराना बहुत आवश्यक है। कोटा मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर व न्यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. वी. शारदा ने वर्तमान में प्रदेश की स्ट्रोक प्रबंधन कार्ययोजना एवं आवश्यक त्वरित उपचार विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सम्पूर्ण विश्व में टिश्यू प्लाज्मिनोजेन ऐक्टिवेटर मिश्रित सूई की उपचार विधि मस्तिष्काघात के लिए स्वीकृत है एवं गंभीर स्थिति के बचाव हेतु लक्षण प्रकट होने के साढ़े चार घंटे के अंदर ही यह इन्जेक्शन रोगी को लगाया जाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि संयमित जीवन शैली अपनाकर ही असंचारी रोगों से स्वयं का बचाव किया जा सकता हैं।

विदेशी दल ने देखी जयपुर फुट की निर्माण विधि

जयपुर। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य की विश्व प्रसिद्व सैन डियेगो विश्वविद्यालय के 57 सदस्यीय छात्र छात्राओं और शिक्षकों के एक दल ने मालवीय नगर स्थित भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के परिसर में कृत्रिम अंग जयपुर फुट का निर्माण कार्य देखा। इस दल में 51 छात्र व छात्राऐं और छः शिक्षक थे। यह दल भारत भ्रमण के लिए आया था और दिल्ली, अमृतसर, धर्मशाला आगरा और जयपुर के विभिन्न ऐतिहासिक, सामाजिक, धार्मिक और शिक्षण संस्थाओं का यात्रा के दौरान अवलोकन किया। दलनायक किरा एस्परिटू ने बताया कि जयपुर फुट अपनी विशिष्ठता के कारण पूरी दुनिया में जाना जाता हैं। इस संस्थान के विषय में विश्व प्रसिद्व अमेरिका के हार्वर्ड विष्वविद्यालय ने केस स्टडी भी की हैं। किरा एस्परिटू ने बताया कि उनके दल ने जयपुर फुट के निर्माण की विधि तथा यह कृत्रिम पैर विकलांगों को किस प्रकार निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता हैं कि भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता से जानकारी ली। दल की परियोजना निदेशक एलिसिया पेना ने कहा कि जयपुर फुट विकलांगों की जिस व्यापक रूप से सेवा कर रहा हैं वह न सिर्फ प्रशंसनीय हैं बल्कि यह विकलांगों की विश्व में सबसे बड़ी संस्था बन गया है।

डी.आर. मेहता ने बताया कि भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सिद्वान्तों पर चलते हुए मानव सेवा कर रहा हैं ।

Era of Ira singal

संघर्ष की अद्भुत मिसाल

Ms. Ira Singhal

62% physically

Handicapped

4.5 foot Hight

जीवन की कठिन चुनौतियों को पार करके आईएएस टॉपर बनने वाली

ईरा सिंगल को हार्दिक शुभकामनाएं

लुई-ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान

एच-32, बढ़ारणा, टेलीकॉम ट्रेनिंग सेन्टर के पीछे, वाया रोड नं. 14, वी.के.आई. एरिया, जयपुर-302013

विशेष योग्यजन यात्रियों को मिलेंगे फोटोयुक्त रियायती कार्ड, पांच साल तक रहेंगे वैध

अजमेर। ट्रेन में यात्रा करने वाले विशेष योग्यजन यात्रियों को रेलवे की ओर से रियायत के लिए फोटोयुक्त पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। यह पहचान पत्र पांच साल तक वैध रहेंगे। मंडल रेल प्रबंधक नरेश सालेचा ने बताया कि

अस्थि विकृत, मानसिक विकृतष नेत्रहीन, पूरी तरह से मूक-बधिर व्यक्तियों को यह सुविधा मिलेगी। इसके लिए रेलवे की वेबसाइट से आवेदन पत्र डाउनलोड कर उसके साथ सरकारी चिकित्सक का प्रमाण-पत्र, फोटोयुक्त पहचान पत्र एवं जन्म तिथि प्रमाण-पत्र संलग्न कर मंडल कार्यालय स्थित वाणिज्य विभाग में व्यक्तिगत रुप से अथवा डाक से भेजा जा सकता है। अब तक विशेष योग्यजन रेल यात्रियों को हर बार यात्रा के लिए टिकट लेते समय प्रमाण-पत्र दिखाने पड़ते थे। इस मशक्कत से बचाने के लिए अब उन्हें रियायती कार्ड जारी किया जाएगा। विशेष योग्यजन यात्री को उसके सहयोगी के साथ स्लीपर क्लॉस और थर्ड एसी के लिए 75 प्रतिशत और फर्स्ट व सैकंड एसी में यात्रा करने के लिए उसके सहयोगी के साथ किराए में 50 प्रतिशत की रियायत मिलती है।

Mr Wheelchair India
2015

3 Simple Steps:-

1. Provide Your Name, Address & Contact Number;
2. Attach Close-up & Full Body Pics (max. 6 pics only);
3. Email it to sounak@mswheelchairindia.org
or
skb504@rediffmail.com

Most Desirable Man using Wheelchair

To Be Held In MUMBAI

Last Date: 31.07.2015

Organised By:-
SOUNAK BANERJEE
From the Creator of "MISS WHEELCHAIR INDIA"

समारोहपूर्वक मनाई हेलन केलर जयंती

जयपुर। लुई ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान एवं विकलांग मंच के संयुक्त तत्वावधान में 27 जून को दृष्टिहीनों की प्रेरणापुंज महामानवा विदुषी हेलन केलर की 135वीं जयंती संस्थान के बढ़ारणा स्थित प्रज्ञाचक्षु भवन में समारोह पूर्वक मनाई गई।

संस्थान के सचिव ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि समारोह के प्रारंभ में अतिथिगणों ने हेलन केलर के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। समारोह में हेलन केलर के जीवनवृत्त पर परिचर्चा के साथ नेत्रहीन बंधुओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में भजन संध्या की रंगारंग प्रस्तुति कर आगंतुक अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि समाजसेवी बैंक ऑफ बडौदा के पूर्व निदेशक एस.एस.भंडारी एफसीए एवं विशिष्ट अतिथि एलएण्डटी कंपनी के रीजनल मैनेजर एस.पार्थसारथी और सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती चारू गुप्ता ने नेत्रहीन प्रतिभाओं एवं प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। अंत में संस्थान के अध्यक्ष एम.पी.गुप्ता ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। समारोह का सफल संचालन अशोक प्रिंस ने किया। अंत में सामूहिक भोज के साथ समारोह का समापन किया गया।

माऊण्ट आबू। स्थानीय नेब-पी. एन. एम. अधंजन पुनर्वास शिक्षण केन्द्र, आबू पर्वत के तत्वाधान में प्रसिद्ध शिक्षा विद् व लेखिका सुश्री हेलन एडमस केलर का जन्मोत्सव समारोह हर्सोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व संस्था मानद् सचिव डॉ. अरूण कुमार शर्मा ने कहा कि हेलन केलर उन महान आत्माओं में से एक थी जिन्होंने दृष्टिबाधित व मुक बधिर होते हुए भी समाज के सामान्य व्यक्तियों हेतु आदर्श स्थापित किये।

कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि समाज सेवी एवं संस्था कोषाध्यक्ष ललीत वोरा ने बताया की हेलन केलर विकलांगों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनी तथा समाज व दर्शन संबंधी कई पुस्तकें लिखी। जो कि आज भी प्रासंगिक और महत्वपूर्ण है उनकी प्रमुख पुस्तकें द वर्लड् आई लीव इन, माई लेटर लाईफ, द ओपन डोर आदि।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य डॉ. विमल कुमार डेंगला ने की। उन्होंने हेलन केलर को पथ प्रदर्शक की संज्ञा देते हुए कहा कि अपनी अक्षमताओं को सक्षमता में बदलना कोई केलर से सीखे। उन्होंने कहा कि वे ऐसी विलक्षण प्रतिभा थी जो वक्ता के गले और हौठ को स्पर्स कर के बात समझ लिया करती थी यही कार्य उन्होंने पं. नेहरू के साथ भी किया।

संस्था के छात्रावास अधिक्षक पर्वत सिंह पुष्कर यागनीक आदि ने भी विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में प्रमोद, श्यामजीत, कानजी, सुरेन्द्रसिंह आदि ने भी विचार व्यक्त किये।

झालावाड़। खण्डिया चौपाटी में विशेष योग्यजन कल्याण संघ झालावाड़ द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नि:शक्तजनों की प्रेरणा स्त्रोत स्व.श्रीमती हेलन केलर क जन्म दिवस पर एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राहुल गोयल पार्षद नगर परिषद् झालावाड़, अध्यक्षता देवलाल मीणा सर्वशिक्षा अभियान झालावाड़ ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि जमील अहमद व्यवस्थापक सरस्वती विद्या मंदिर, झालावाड़, संघ के संरक्षक अब्दुल मजीद खां ने हेलन केलर की तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। तत्पश्चात् नेत्रहीन व्यक्ति भंवरलाल वर्मा संगीत अध्यापक व बनवारीलाल सेन को सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष केसरीलाल बैरवा, उपाध्यक्ष अब्दुल नईम, महासचिव रिंकू नागर, पिड़ावा ब्लॉक अध्यक्ष मो. जहीर, महासचिव जीवन कुमार भावसार, सारोलाकलां नेमीचन्द सुमन, किशनलाल गुर्जर, बकानी मांगीलाल लोधा, बृजराज मेघवाल आदि सैकड़ों विकलांग भाई-बहिनों ने भाग लिया।

जयपुर के लुई ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान में एलएण्डटी कंपनी के रीजनल मैनेजर एस.पार्थसारथी दीप जलाकर हेलन केलर जयंती समारोह का शुभारम्भ करते हुए।

झालावाड़ जिला विकलांग संघ के तत्वावधान में हेलन केलर जयन्ती मनाई गई। अध्यक्षता रामनारायण प्रजापति ने की जिला अध्यक्ष रामप्रकाश भील ने हेलन केलर की प्रतिमा पर माला अर्पित कर विकलांगों की मसीहा हेलन केलर की जीवनी पर प्रकाश डाला महासचिव जगदीश प्रसाद रेगर ने संगठन को मजबूती प्रदान करने की बात बतायी संघ के दर्जनों लोगों ने अपने अपने विचार संघ में रखे। पालनहार, भोजन, स्वरोजगार योजना, आस्था कार्ड योजना, बी.पी.एल. नाम जुड़ाने हेतु इन्दिरा आवास योजना, पेंशन योजना आदि समस्याओं पर विचार विर्मश किया गया।

ब्लॉक खानपुर सत्तार भाई, ब्लॉक बकानी सोहनलाल, ब्लॉक मनोहरथाना इन्द्रसिंह भील, राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के जिलाध्यक्ष फिरोजखान वारसी, रायपुर ब्लॉक रामबाबू दांगी, पिड़ावा रणजीत सिंह, हरिगढ़ ब्लॉक कार्य समिति अध्यक्ष धनराज नागर, मियाड़ा सांवरिया भील, राजेन्द्र नागर, पनवाड़ मोहनलाला, झालरापाटन शिव गुर्जर, हेमराज मीणा पुरूषोत्तम मीणा, गिरिजराज राव, राजू, घनश्याम आदि कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

तरुण मित्र परिषद के द्विवार्षिक चुनाव सम्पन्न

मनोज अध्यक्ष व अशोक जैन महासचिव बने

तरुण मित्र परिषद के दोवार्षिक चुनाव में मनोज जैन अध्यक्ष, अशोक कुमार जैन उपाध्यक्ष, अशोक जैन महासचिव, राकेश जैन संयुक्त सचिव, राकेश कुमार जैन संगठन सचिव व फूल चंद जैन को कोषाध्यक्ष चुना गया।

इसके अतिरिक्त आलोक जैन, अजय जैन, अनिल जैन, कमल मैहरोत्रा, पी.के.जैन, प्रताप जैन, राकेश जैन सुभाष जैन व विनीत शर्मा कार्यकारिणी सदस्य चुने गये। चुनाव अधिकारी सुभाष जैन ने सभी सदस्यों को संविधान के अनुरूप सामाजिक कार्यो को करने की शपथ दिलाई।

प्रेरक | बिलासपुर के संजय सोंधी ने हासिल की 1216वीं रैंक, रेटिनाइटिस पिगमेंटोसा से बचपन में हो गए थे नेत्रहीन

आंखें नहीं, सुनकर पढ़ा और यूपीएससी सलेक्ट

तन्मय अग्रवाल | रायपुर

संजय सोंधी। उम्र 41 साल। आंखें नहीं है फिर भी यूपीएससी सलेक्ट हुए। बिलासपुर के यमुनानगर निवासी इस हुनरमंद की कहानी बड़ी दिलचस्प है और प्रेरणा देने वाली भी। एक वक्त था जब लोग ताना देते थे, फब्तियां कसते थे और आज एक वक्त है, जब लोग सलाम करते हैं। शनिवार को यूपीएससी के आए रिजल्ट में संजय को 1216वीं रैंक मिली है। इससे पहले भी वे सीजीपीएससी में सलेक्ट हो चुके हैं। आइए, उनकी कहानी जानते हैं उनकी ही जुबानी

संजय सोंधी

बचपन में लोग खेलते थे, तो मैं बैठा रहता था। खेलने का मन होता, पर कोई खिलाता नहीं। अंधा क्या खेलेगा, पढ़कर क्या करेगा? ये ताने मिलते। घर आता। रोता। अपना गुस्सा खुद पर निकालता। भगवान को कोसता। मां हौसला देती। इस हौसले ने ताकत दी। आठ साल की उम्र तक 25 प्रतिशत दिखता था। फिर पूरी रोशनी चली गई। एक कविता फिर दिमाग में घर कर गई थी- कोशिश करने वालों की हार नहीं होती...।

बस, मैं तैयारी करता चला गया। स्कूल में हमेशा आगे रहा। कॉलेज किया। प्राइवेट स्कूल में टीचरशिप की नौकरी की। 2007 में सीजीपीएससी में नेत्रहीन आशीष सिंह ठाकुर चुने गए। उन्हें देखकर लगा कि मुझे सिविल सर्विसेज की परीक्षा क्लीयर करनी ही है। आखिरकार इसके बाद परीक्षा की तैयारी शुरू की। स्टडी मटेरियल को रिकार्ड करवाया। उसे दिनभर सुनता रहता और इसी तरह याद करता। सीजी पीएससी 2008 और 2011 दोनों में कामयाबी मिली। पीएससी 2011 में राज्य में 10वीं रैंक आई। उम्र ज्यादा होने का हवाला दिया गया और मुझे डिप्टी कलेक्टर बनने से रोक दिया गया। नायब तहसीलदार का पद दिया गया।

मैंने हाईकोर्ट में अपील की। केस चल रहा है। इसके बाद जिंदगी बदली। लोगों का नजरिया बदला। फिर, 2011 में एसएससी के जरिए नेशनल सैंपल सर्वे ऑफ इंडिया की बिलासपुर ब्रांच में असिस्टेंट सुप्रिटेंडेंट के रूप में सलेक्ट हुआ। मोहल्ले के ताने देने वाले लोगों ने सलाम ठोका। पढ़ाई जारी रखी। हर वक्त मोबाइल में रिकॉर्डेड बुक सुनता रहता। आखिरकार यूपीएससी में सफलता मिली।

संजय सोंधी के बारे में

- संघशासित प्रदेश में असिस्टेंट कलेक्टर का पद मिलने की संभावना
- मद्दगार रमाकांत सूर्यवंशी जो दो साल से कर रहे हैं मदद।
- पिता बीएम सोंधी का 21 साल पहले निधन, ममी संतोष सोंधी
- 170 घंटे का रिकॉर्डेड मटेरियल तैयार करवाया
- तीन विषयों में नेट क्वालिफाई। इकोनॉमिक्स, पॉलीटिकल साइंस में एमए। भोज ओपन यूनिवर्सिटी से एमबीए क्वालिफाई हैं।

नेत्रहीन उम्मीदवारों की रिक्तियों का बैकलॉग पूरा हो : चीमा

चंडीगढ़। पंजाब के शिक्षा मंत्री डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने नेत्रहीन उम्मीदवारों की रिक्तियों का बैकलॉग शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने ये निर्देश यहां नेशनल फेडरेशन ऑफ ब्लाइंड एवं भारत नेत्रहीन सेवक समाज के साथ बैठक करने के बाद दिये। डॉ. चीमा ने उन्हें भरोसा दिलाया कि नेत्रहीन कर्मचारियों की मांगों को विभाग प्राथमिकता के आधार पर पूरा करेगा। मास्टर कैडर तथा प्राध्यापकों की रिक्तियों के लिए नेत्रहीन कर्मचारियों के बैकलॉग को पूरा करने के निर्देश दिये। शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह मामला वित्त विभाग का है लेकिन वह इस मामले को हल करने के लिए वित्त विभाग के पास उठायेंगे। ठेके पर कार्य करने वाले कर्मचारियों को पक्का करने का भी आश्वासन दिया। ठेका शर्तों के तहत समय पूरा होने पर कर्मचारियों को पक्का कर दिया जायेगा।

माता-पिता की सेवा करें

पेड़ बूढ़ा ही सही, आंगन में लगा रहने दो
फल न सही, छांव तो देगा....

पंजाबी समाज ने बांटे स्कूल बैग

कोटा। पंजाबी जन सेवा समिति द्वारा कोटडी हरिजन बस्ती स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में छात्र छात्राओं को स्कूल बैग बांटे गए। विद्यालय परिसर में आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में पंजाबी जनसेवा समिति के अध्यक्ष अर्जुन देव चड्ढा ने कहा कि समिति द्वारा समय-समय पर राजकीय विद्यालयों में शिक्षण सामग्री का वितरण किया जाता है। चड्ढा ने बच्चों को स्वच्छ रहने व स्वच्छता रखने के टिप्स बताए। महामंत्री दर्शन पिपलानी ने कहा कि मन लगाकर पढ़ें व मेहनत करके कर आगे बढ़ें। समिति के सह सचिव सागर पिपलानी, कमल अदलक्खा ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका श्रीमती मंजू साहनी ने किया व शाला की प्रधानाध्यापिका श्रीमती राधा शर्मा ने पंजाबी जन सेवा समिति के प्रति सहयोग के लिए आभार जताया।

अजमेर के विकलांग रामलाल को 15 वर्ष बाद मिला न्याय

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे राजस्व लोक अदालत न्याय आपके द्वार अभियान के तहत अजमेर जिले के अरांई के गोठियाना में विकलांग रामलाल जाट को 15 वर्ष बाद न्याय मिला। प्रशासन ने राजस्व रिकॉर्ड में उसके नाम का सही अंकन किया। जिला कलक्टर डॉ. आरूषी मलिक ने बताया कि अभियान के तहत पिछले दिनों गोठियाना में आयोजित शिविर में विकलांग रामलाल पुत्र मिश्रीलाल ने आवेदन किया कि राजस्व रिकॉर्ड में उसके नाम का सही अंकन किया जाए। रिकॉर्ड में उसका नाम राजलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल जाट अंकित हो गया है जो कि गलत एवं अशुद्ध अंकन है।

उपखण्ड अधिकारी किशनगढ़ अशोक कुमार ने तुरन्त अधिकारियों से रिपोर्ट तलब कर रामलाल का दावा सही पाया। शिविर में ही उसके नाम का सही अंकन किया गया। रामलाल पिछले 15 वर्ष से यह कार्य करवाने के लिए प्रयास कर रहा था।

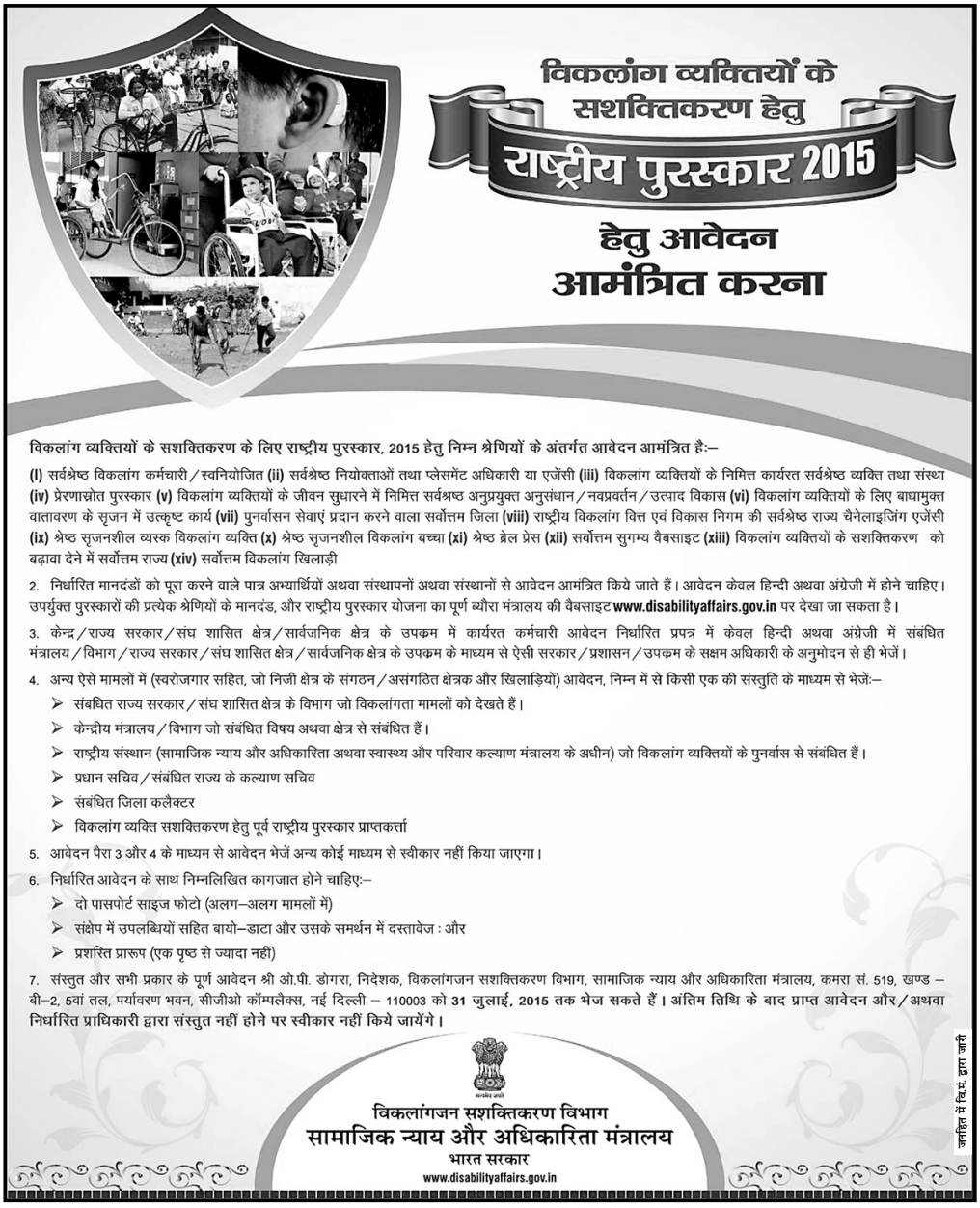

चिरेका के केजी अस्पताल में श्रवण सहायक यंत्र वितरित

चित्तरंजन। सी.पी.तायल, महाप्रबंधक, चिरेका द्वारा चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) के कस्तूरबा गांधी अस्पताल में, जरूरतमंद मरीजों को सुनवाई सहायक यंत्र वितरित किए गए। कुल 30 मरीजों को यह यंत्र वितरित किया गया। यह यंत्र उच्च मात्रा स्तर के ध्वनियों को सुनवाई अनुकूल स्तर पर वितरित करेंगे जिससे मरिज आराम से सुन पाएंगे। इस अवसर पर हरिन्द्र राव, मुख्य बिजली इंजिनीयर, जे.एन.पांडे, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी, एस.बारिक, भंडार नियंत्रक तथा वरिष्ठ अधिकारिगण उपस्थित थे। डॉ. ए.मजुमदार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा कस्तूरबा गांधी अस्पताल के अन्य डॉक्टरों ने भी इस अवसर पर उपस्थित थे। तायल ने अस्पताल में इस प्रकार की अद्वितीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए चिकित्सा विभाग के प्रयासों की सराहना की जिससे रेलवे कर्मचारियों को फायदा होगा।

प्रशिक्षित विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र

दिल्ली। हस्तिनापुर में आयोजित एक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आत्मा राम जैन स्कूल के प्रधानाचार्य महेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि तरुण मित्र परिषद ने यहां श्रद्धा सदन में ग्रामीण बच्चों को विभिन्न प्रकार की शिक्षा का जो बीड़ा उठाया है, सराहनीय है। परिषद के महासचिव अशोक जैन ने बताया कि परिषद गत 40 वर्षों से निरन्तर समाज के पिछड़े वर्ग की सेवा सहायता कर रही है।

इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धा सदन समिति के सदस्य सुभाष चन्द जैन घी वाले व परिषद के अध्यक्ष मनोज जैन ने 14 विद्यार्थियों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण व 8 विद्यार्थियों को सिलाई प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर परिषद के प्रमुख सहयोगी पदम सैन जैन, आलोक जैन, मयंक जैन, सुमती प्रकाश जैन व अध्यापक तपेश कुमार, अनीता व अर्चना जैन भी उपस्थित थी विदित है कि श्रद्धा सदन में बच्चों को कंप्यूटर प्रशिक्षण, इंगलिश स्पीकिंग व महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

वयस्क विकलांगों को मिला रोजगार

अजमेर। राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था चाचियावास अजमेर के अन्तर्गत दक्ष प्लेसमेन्ट सेल के तत्वाधान में रेडक्रॉस सोसायटी अजमेर में आयोजित रोजगार परामर्श कार्यशाला में 5 वयस्कों को रोजगार से जोड़ा गया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि जय बहादुर माथुर, अध्यक्ष बाल कल्याण समिति, अजमेर एवं विशिष्ट अतिथि उमेश त्यागी, मुख्य प्रबन्धक, एस.बी.आई. बैंक, अजमेर द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यशाला के दौरान 7 विकलांग व्यक्तियों की प्रोफाइल रखी गई जिसमें से 5 व्यक्तियों को रोजगार से जोड़ा गया। कार्यशाला में धनराज बुक डिपो, जाफरी जनरल स्टोर, मेगों मसाला, प्रिन्स इलेक्ट्रोनिक्स आदि नियोक्ताओं (व्यवसायी) ने वयस्कों को रोजगार दिलाया। कार्यक्रम में 55 अभिभावक और 30 वयस्क विकलांग व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पदमा चौहान, अभिजीत सिंह, लक्ष्मणसिंह, विपुल कंवरिया, इकराम खांन, सुयं प्रकाश, अभिनन्दन पारीक, रामेश्वर प्रजापति, वीना कष्यप, ललिता प्रजापति एवं चाईल्ड लाईन टीम ने सहयोग किया।

निःशक्तजनों के कल्याण से जुड़े संस्थानों के निष्पादन की समीक्षा

दिल्ली। केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री थावर चंद गहलोत की अध्यक्षता में यहां निःशक्तजन सशक्तीकरण विभाग के अधीन सात राष्ट्रीय संस्थानों और इन राष्ट्रीय संस्थानों के अधीन आठ संयुक्त क्षेत्रीय केन्द्रों के निष्पादन की समीक्षा के लिए एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर और निःशक्तजन सशक्तीकरण विभाग के सचिव लव वर्मा उपस्थित थे।

इस बैठक में मंत्री महोदय ने कहा कि प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम से प्रेरणा ग्रहण करते हुए देश के प्रत्येक निःशक्तजन को एक विशेष पहचान (आईडी) उपलब्ध कराना शीघ्र आवश्यक है, ताकि शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और विशेष सेवाओं के क्षेत्र में उनकी मदद के लिए वैज्ञानिक संस्थाओं को प्रोत्साहित किया जा सके। विभाग के अधीन सभी राष्ट्रीय संस्थानों ने पहली बार 10 लाख से भी अधिक लाभार्थियों के लिए पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने का लक्ष्य पूरा किया है। अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से आधुनिक सेवाएं प्रदान करने का निर्णय लिया गया ताकि पुनर्वास केन्द्रों में निःशक्तजनों को उन्नत प्रौद्योगिकी वाले सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। इस वर्ष पटना, श्रीनगर, अहमदाबाद, भोपाल, कोझीकोड, गुवाहाटी और लखनऊ में संयुक्त क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए नए भवनों की शुरूआत की जा रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शारीरिक विकलांग संस्थान (पीडीयूआईपीएच), नई दिल्ली ने पहली बार कुष्ठ रोग से ठीक हुए लोगों के लिए किटों और राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान (एनआईएमएच), सिकंदराबाद ने मानसिक विकलांग बच्चों और छात्रों के लिए किटों की शुरूआत की हैं। मंत्री महोदय ने राष्ट्रीय संस्थानों के लिए लक्ष्य निर्धारित करने और उनके निष्पादन के मूल्यांकन के लिए ग्रेड प्रणाली कायम करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं के कौशल विकास और प्रशिक्षण के लाभों को ग्रेड प्रणाली में शामिल होना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

भर्ती घोटाले की भेंट चढ़ा 3 फीसदी निःशक्तजन आरक्षण

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में वर्ष 2013-14 में विभिन्न 32 पदों पर असिस्टेंट प्रोफेसर तथा एसोसिएट प्रोफेसरों के भर्ती घोटाले के दौरान भर्ती में निःशक्तजनों को देय तीन प्रतिशत आरक्षण भी भेंट चढ़ गया।

इस मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय को एमपीयूएटी की शिकायत की गई है, जहां से नई दिल्ली स्थित मुख्य आयुक्त निःशक्तजन कार्यालय और वहां से जयपुर स्थित आयुक्त विशेष योग्यजन कार्यालय से जवाब मांगा गया है। जयपुर कार्यालय ने एमपीयूएटी रजिस्ट्रार कार्यालय से इस मामले में जवाब तलब कर लिया है।

इन भर्तियों में विश्वविद्यालय के कर्ताधर्ताओं ने अपने चहेतों को जमकर सरकारी नौकरियों की रेवड़ियां बांटी थीए जिसकी जांच रिपोर्ट हाल ही राज्य सरकार को भेजकर भर्तियों में घोटाला होने की पुष्टि की जा चुकी है। इन भर्तियों के दौरान दीपक गुप्ता नामक अभ्यर्थी ने भी आवेदन किया था। गुप्ता ने प्रधानमंत्री कार्यालय को की शिकायत में बताया कि वह एकमात्र निःशक्त कोटे में आवेदन करने वाला अभ्यर्थी था फिर भी विवि ने साक्षात्कार के दौरान उसका चयन नहीं किया गया। जबकि केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के आदेश हैं कि भर्तियों में तीन प्रतिशत आरक्षण निःशक्तजनों के लिए मान्य किए जाएंगे। शिकायत में बताया कि विवि ने आवेदक को पहले ही निरूशक्तजनों के लिए आरक्षण होने से इनकार कर दिया और उसका चयन नहीं किया।

आवेदक ने एमपीयूएटी के कुलपति को उसका चयन कराने के आदेश जारी करने की प्रधानमंत्री कार्यालय से मांग की। विवि को कार्रवाई कर जवाब देने के आदेश प्रधानमंत्री कार्यालय से इस शिकायत पर मांगे जवाब के तहत केन्द्रीय निःशक्तजन कार्यालय ने राज्य सरकार के कार्यालय को और वहां से एमपीयूएटी रजिस्ट्रार को पत्र लिखकर जवाब मांगा गया है।

राज्य कार्यालय ने रजिस्ट्रार को पत्र भेजकर जवाब मांगा है कि निःशक्तजन, समान अवसर, अधिकार, संरक्षण एवं पूर्ण भागीदारी, अधिनियम 1995 की धारा 33 में प्रत्येक स्थापन में विशेष योग्यजन को तीन प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इसी क्रम में राज्य सरकार द्वारा जारी निरूशक्तजन समान अवसर, अधिकार, संरक्षण एवं पूर्ण भागीदारी, नियम 2011 के नियम 36 में भी विशेष योग्यजन को तीन प्रतिशत आरक्षण उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। इस अधिनियम के तहत रजिस्ट्रार को कार्रवाई करके रिपोर्ट देने के आदेश दिए गए हैं।

विवि ने दबाया मामला उपरोक्त जवाब दो महीने पहले ही मांगा गया है लेकिन विवि ने इसे दबा दिया है। अभी भी रजिस्ट्रार कार्यालय ने इस आदेश से अनभिज्ञता जाहिर की है।

रजिस्ट्रार कार्यालय को निःशक्तजन कार्यालय से आए इन दस्तावेज को दिखाया ही नहीं गया है। जबकि भर्ती घोटाले की हाल ही हुई जांच के दौरान भी विवि इस महत्वपूर्ण मामले को दबा गया और राज्य सरकार को भेजी गई विस्तृत रिपोर्ट में यह गड़बड़ी दर्शायी नहीं जा सकी है। भर्तियों के दौरान आरक्षण प्रावधानों को लागू करने संबंधी समस्त रिपोर्ट रिक्रूटमेंट सेल की फाइलों में देखने पर ही पता चल पाएगा। मुझे दो वर्ष पुरानी इस भर्ती में अब याद नहीं रहा है कि क्या किया गया था और क्या नहीं। हमने जो काम किया, उसकी बाकायदा एप्रूवल लेकर किया। **-भगवतीप्रसाद नंदवाना, डीएन सीटीएई और अध्यक्ष, भर्ती स्क्रीनिंग कमेटी।**

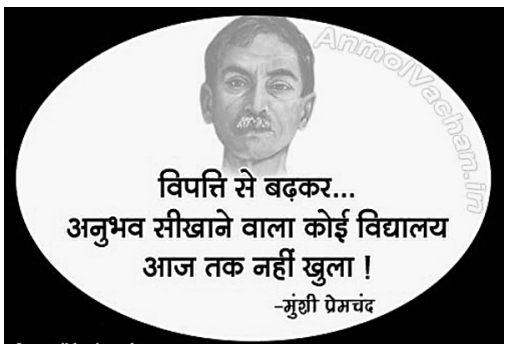

आंख की रोशनी गंवाने वाली लड़की को 1.70 करोड़ का मुआवजा

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने डॉक्टरों की लापरवाही के कारण दोनों आंखों की रोशनी खोने वाली तमिलनाडु की एक लड़की को एक करोड़ 70 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति जे एस केहर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कल तमिलनाडु सरकार की वह दलील खारिज कर दी कि यह मामला डॉक्टरों की लापरवाही का नहीं है। पीठ ने इसे इलाज में कोताही बरतने का मामला बताया है। पीड़ित परिवार के वकील निखिल नैय्यर ने अदालत के समक्ष दलील दी थी कि चूंकि बच्ची नियमित रूप से अस्पताल के डॉक्टरों की निगरानी में थी, लिहाजा साफ है कि इस मामले में अस्पताल की ओर से कोताही बरती गई है। अब यह लड़की 28 वर्ष की हो गई है। इस दौरान उसके इलाज में 42 लाख रुपये खर्च हुए थे। मुआवजे की रकम में इलाज पर हुआ खर्च भी शामिल है। मुआवजा राज्य सरकार को देना है। लड़की का जन्म 30 अगस्त 1986 को चेन्नई के एक सरकारी अस्पताल में हुआ था। जन्म के बाद उसे अगले 25 दिनों तक अस्पताल के आईसीयू में रखा गया। इस दौरान कभी भी डॉक्टरों ने रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योर (आरओपी) टेस्ट कराने के लिए नहीं कहा। समय पूर्व जन्म होने पर आमतौर पर बच्चों का यह टेस्ट होता है। बच्ची को जब तक प्राइवेट डॉक्टर के पास दिखाया जाता तब तक देर हो चुकी थी। तब तक उसकी दोनों आंखों की रोशनी चली गई थी। अस्पताल के कई डॉक्टरों ने कई बार बच्चों का निरीक्षण किया था, लेकिन किसी भी डॉक्टर ने परिवार वालों को यह नहीं बताया कि समय पूर्व जन्म लेने वाले बच्चों को रेटिना संबंधित परेशानी की आशंका प्रबल होती है। राज्य सरकार ने राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के आदेश को चुनौती दी थी। वहीं पीड़ित पक्ष ने मुआवजा बढ़ाने के लिए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उपभोक्ता आयोग ने वर्ष 2009 में पांच लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया था, लेकिन सरकार ने अब तक इसका भुगतान नहीं किया था।

हाथों की लकीरों पर
कभी यकीन मत करना।
क्योंकि तकदीर तो उनकी भी होती है
जिनके हाथ नहीं होते॥

ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेटर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम

जयपुर। एमएफजेसीएफ की टीम नवजीवन और एसएमएस कॉलेज एंव हॉस्पीटल के सहयोग से आज एक साप्ताहिक ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेटर्स ट्रेनिंग प्रोगाम का आरम्भ जेके लॉन हॉस्पीटल के ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय चिकित्सा मंत्री राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा दीप प्रज्जवलन से हुआ। कार्यक्रम में मोहन फाउण्डेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ सुनील श्रॉफ एसएमएस के प्रभारी चिकित्सक अशोक गुप्ता, यूएस अग्रवाल, एनएचएम के नीरज के पवन एंव अन्य गणमान्य ललीथा रघुराम, भावना जगवानी, पल्लवी कुमार, डॉ सुमना नवीन उपस्थित थे।

इस अवसर पर चिकित्सा मंत्री राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा कि वह इस अभियान से जुड़कर बेहद प्रसन्न है, उन्होंने इस मुहिम के लिये मोहन फाउण्डेशन और जयपुर सिटीजन फोरम की प्रशंसा की। उन्होंने बताया की किस प्रकार राजस्थान में सड़क दुर्घटना का ग्राफबढ़ रहा है। पिछले वर्ष 35,000 से ज्यादा मौतें सड़क दुर्घटना में हुई है, जिनमें से 60 फीसदी ब्रेन डेथ की वजह से हुई है। अपने सम्बोधन में उन्होंने आगे कहा कि हमें इस तरह का वातावरण, परिवेश तैयार करना होगा कि जिससे मृत्यु पश्चात् भी यह लोग जीवित रह सके। मोहित और राधारानी के परिवारों से लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिये। मुझे उम्मीद है कि अंग प्रत्यारोपण की इस 5 दिवसीय ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेटर्स पहल से लोगों को ओर अधिक प्रेरित और जागरूक किया जायेगा ताकि और लोग भी इस अभियान से जुड़कर इसे एक मिशाल बनाये। मैं इस कार्यशाला की सफलता की सभी को शुभकामनायें देता हूँ। इस अवसर पर चिकित्सा मंत्री राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने अंगदान महादान पोस्टर का विमोचन किया तथा साथ ही इस अभिनव पहल के लिये डॉ सुनील श्राफ यूएस अग्रवाल, डॉ अशोक गुप्ता, ललीथा रघुराम, पल्लवी कुमार, डॉ मनीष, रणधीर राव, नीरज के पवन तथा अन्य गण्मान्य लोगों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

मोहन फाउण्डेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी सुनील श्राफ ने कहा, कि आज मुझे आप लोगों के बीच यह कहते हुये गर्व महसूस हो रहा है कि राजस्थान में अंग प्रत्यारोपण के इस नन्हें पौधे की जड़ें फैलने लगी है। अंग प्रत्यारोपण की प्रक्रिया के लिये ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेटर एक स्तम्भ की तरह आवश्यक है। इस प्रकार का यह पहला ट्रेनिंग प्रोग्राम है जिसमें 70 से अधिक लोगों ने रजिस्टर करवाया है, जो अपने आप में रिकार्ड है। यह सभी जयपुर के विभिन्न प्राइवेट हॉस्पीटल और सरकारी अस्पतालों से आये है, कुछ लोग जयपुर से बाहर के भी है। इससे हम अंदाजा लगा सकते है कि राजस्थान में अंग प्रत्यारोपण को आगे बढ़ाने में लोग जागरूक हो रहे है। ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेटर पूरी ट्रांसप्लांट प्रक्रिया का आवश्यक अंग है। मैं सभी भावी ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेटर्स से यह उम्मीद करती हूं कि वह अपने साथ के प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षित करेंगें तथा समाज में जागरूकता लाने में सहयोगी बनेंगें।

बाल बसेरा का उद्घाटन

जयपुर। प्रेम नगर, वाम्बे आवासीय योजना, पालड़ी मीणा, जयपुर में जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा टाबर संस्था को आवंटित भूमि पर बाल बसेरा गृह का उद्घाटन माननीय विधायक बगरू क्षेत्र के कैलाश वर्मा एवं कुलदीप रांका (आई.ए.एस.) के कर कमलों द्वारा शुभारम्भ हुआ।

कैलाश वर्मा एवं कुलदीप रांका ने बाल गृह भवन का निरीक्षण किया तथा बाल बसेरा बाल गृह में उपस्थित बालकों की जानकारी ली। कार्यक्रम में संस्था सचिव रमेश पालीवाल ने बताया कि जयपुर विकास प्राधिकरण के सहयोग से जो संस्था को जमीन आवंटित हुई है बाल बसेरा बाल गृह के लिए जहाँ पर घर से भागे, बिछुड़े, लावारिस अवस्था में गुमने वाले, बालश्रम से मुक्त बालकों को पुनर्वास किया जायेगा। कैलाश वर्मा ने बताया कि संस्था विगत कुछ वर्षों से बच्चों के क्षेत्र में कार्य कर रही है वो काफी सराहनीय है। एक खोये हुए बालक को उसके माता-पिता से संस्था मिलाती है, वो काफी पुण्य का कार्य है। इस इलाके में जो आज इसका शुभारम्भ हुआ, मैं इसके लिए संस्था के समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्त्ताओं को बधाई का पात्र मानता हूं, साथ ही मैं आश्वस्त कराता हूं कि मेरे लायक जो भी सहयोग होगा वो मैं संस्था को दूंगा। इस के साथ कुलदीप रांका ने संस्था के कार्य की प्रशंसा की और कहा कि समाज में इन बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य संस्था कर रही है वो काफी सराहनीय है। कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद श्रीमती कमलेश कासोटिया व अन्य गणमान्य लोगों ने बच्चों के द्वारा तैयार नाट्य प्रस्तुति देखी व बच्चों की प्रशंसा की।

प्रेमजी ने अपनी आधी हिस्सेदारी दान में दी

बेंगलुरु। सूचना प्रद्योगिकी क्षेत्र की देश की प्रमुख कंपनी विप्रो के संस्थापक अजीम प्रमेजी ने कंपनी में अपनी आधी हिस्सेदारी का दान कर चुके हैं। उन्होंने हाल ही में विप्रो में अपनी अतिरिक्त 18 प्रतिशत हिस्सेदारी का दान किया है। इससे उनके द्वारा दान की गयी कुल राशि विप्रो की 39 प्रतिशत हिस्सेदारी अर्थात 53284 करोड़ रुपये पर पहुँच गयी है। उनके इस कदम से अजीम प्रेमजी ट्रस्ट को लाभांश आदि के रूप में 530 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आमदनी होगी जिसे परमार्थ कार्यों में लगाया जायेगा। अपने अधिकांश धन का दान करने वाले अरबपतियों की सूची में वारेन बफेट और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स के साथ प्रेमजी प्रथम भारतीय बन गये हैं। प्रेमजी ने मार्च में समाप्त वित्त वर्ष में शेयरधारकों को लिखे पत्र में कहा, पिछले 15 सालों में मैंने दान करने के विचार को मूर्त रूप देने की कोशिश की है और इसके मद्देनजर मैं विप्रो में अपनी 39 प्रतिशत हिस्सेदारी दान में दे चुका हूँ।'' हुरुन इंडिया दानदाताओं की वर्ष 2014 की सूची में प्रेमजी को 'सर्वाधिक दानशील भारतीय' कहा गया था।

भगवान महावीर जन सेवा ट्रस्ट के चुनाव सम्पन्न

जयपुर। भगवान महावीर जन सेवा ट्रस्ट की कार्यकारिणी के चुनाव ट्रस्टी श्रीमान् तेजकरण जी छाबड़ा के निवास स्थान किरण पथ, मानसरोवर जयपुर पर सम्पन्न हुए। जिसमें सर्वसम्मती से अध्यक्ष- महेन्द्र पाटनी, मंत्री - कमल गोदिका, उपाध्यक्ष - सुरेश चंद जैन (बांदीकुई), कोषाध्यक्ष - सुरेश छाबड़ा, संयुक्त मंत्री - ललित कुमार जैन एवं कार्यकारिणी सदस्य - तेजकरण छाबड़ा, पदम चंद जैन, रतनलाल पाटनी, हरीश पाटनी, वीरेन्द्र पाटनी, विमल चंद सौगाणी (उदयपुर) एवं राजेन्द्र कुमार बाकलीवाल का चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हुआ।

दिशा में थैरेपी सेंटर 'सक्षम' शुरू

लेटेस्ट तकनीकों पर आधारित मशीनों की सहायता से होगा विशेष बच्चों का शारीरिक-मानसिक विकास

जयपुर। विशेष बच्चों के समुचित विकास की दिशा में कार्यरत निर्माण नगर-सी स्थित दिशा संस्थान में थैरेपी सेंटर 'सक्षम' का शुभारंभ हुआ। इंटरनेशनल रोटेरी क्लब फेयरहोप, यूएसए और रोटेरी क्लब मिडटाउन के सहयोग से स्थापित किए गए इस सेंटर का उद्घाटन देश के ख्यातिनाम पत्रकार राजदीप सरदेसाई ने किया। इस दौरान पद्मश्री डॉ. अशोक पानगढ़िया, रोटेरी के पदाधिकारी अनिल अग्रवाल और रोटेरी मिडटाउन की अध्यक्ष किरन पोद्दार सहित शहर के विभिन्न प्रतिष्ठित डॉक्टर एवं गणमान्य लोग मौजूद थे। दिशा की फाउंडर पी.एन. काबूरी के निर्देशन में स्थापित किए गए इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के थैरेपी सेंटर के तहत फिजियो थैरेपी और स्पीच व ऑडियोलॉजी विभाग स्थापित किए गए हैं। सेंटर की स्थापना के बाद अब विशेष बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास में तकनीकों और मशीनों की सहायता भी ली जाएगी। सेंटर में फिलहान नौ मशीनों अनवेइंग सपोर्ट सिस्टम, ट्रेडमिल गेट ट्रेनर-3, मोटोमेड ग्रेसिल-12 (मूवमेंट थैरेपी), आईएफटी, शॉर्टवेव डाइथेर्मी, डिजिटल ट्रेक्शन, नर्व एंड मसल स्टिमुलेटर, हाइड्रोकोलेटर एवं स्टेंडिंग फ्रेम के जरिए बच्चों को फिजियो, स्पीच व अन्य थैरेपीज दी जाएंगी।

सभी मशीनें फिजियो थैरेपी और स्पीच थैरेपी की लेटेस्ट तकनीकों पर आधारित हैं, जिन पर अभ्यास करने से विशेष बच्चों एवं मरीजों का शारीरिक, मानसिक एवं भाषाई विकास बहुत तेजी से होगा। लेटेस्ट मशीनों के बाद बहुत कम समय में विशेष बच्चे अपना संपूर्ण विकास कर सकेंगे।

इसके अलावा ऑडियोलॉजी तकनीक के जरिए नवजात बच्चों की श्रवण दोष की जांच करने में आसानी होगी। इस सेंटर की सहायता से एक ही छत के नीचे सेरेब्रल पाल्सी, लकवा, श्रवण दोष, मांसपेशियों से संबंधित बीमारियां, ऑटिज्म की जांच एवं निदान की सुविधा मिलेगी। गौरतलब है कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान में पहली बार इस तरह का थैरेपी सेंटर स्थापित किया जा रहा है।

एफओडी की सचल पुनर्वास सेवा

दिल्ली। इस वर्ष 12 फरवरी को फैमिली ऑफ डिसेबल्ड (एफओडी) ने सचल पुनर्वास सेवा के नाम से विकलांगजनों के कल्याण के लिए कार्यक्रम प्रारंभ किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत एफओडी के अधिकारी आर्थिक रूप से पिछड़ी बस्तियों में आधे दिन का शिविर लगाते हैं जिसकी पूर्व सुचना एक सप्ताह पहले वहां के निवासियों तक पहुंचा दी जाती है।

25 जून 2015 को इस श्रृखंला का तीसरा शिविर पश्चिमी दिल्ली के रघुबीर नगर में आयोजित किया। एफओडी टीम में गुरूचरण सिंह, राजेश कुमार, दीपशिखा और प्रवीण सम्मलित थे। स्थानीय करुणा के संस्थापक सुरेंदर कुमार ने शिविर को सुचारू रूप से चलाने में भरपुर सहयोग दिया। प्रात: 10 से 2 बजे तक शिविर में आने वाले विकलांग वयक्तियों का पंजीकरण किया गया तथा उनकी आवश्यताओं को सूचिबद्ध किया।

शिविर के दौरान एक बात जो उजागर हुई कि विकलांगजनों और उनके परिवारों को सरकार और एफओडी द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का ज्ञान बिलकुल नहीं था। पंजीकृत किये गये लोगों में कुछ को सहायक उपकरण, कुछ को अपना रोजगार शुरू करने में सहायता और कुछ को नौकरी की तलाश थी। शिविर में आये लगभग सभी लोगों को उनकी विकलांगता को कम करने के लिए परामर्श और दिशाज्ञान दिया गया।

इससे पूर्व सावधा घेवरा और इन्दरपुरी बस्तियों में एफओडी ने शिविर लगाये थे। तीनों शिविरों में कुल मिलकर 90 विकलांगजनों की जाँच की गई तथा उनकी आवश्यता अनुसार लाभ पहुचाया गया।

विशेष परिस्थितियों में केवल महिला एवं विकलांग ही कर सकेंगे आवेदन

जयपुर। बीएसटीसी द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत महिला एवं विकलांग प्रशिक्षणार्थी विशेष परिस्थितियों में कॉलेज परिवर्तन अथवा स्थानातरण के लिए आगामी 25 सितम्बर तक अपने प्रार्थना पत्र प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय भेज सकते हैं। शिक्षा राज्य मंत्री प्रो.वासुदेव देवनानी ने बताया कि विशेष परिस्थितियों में केवल महिला एवं विकलांग प्रशिक्षणार्थियों के स्थानान्तरण पर ही विचार किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि स्थानान्तरण के लिए इच्छित शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान में बीएसटीसी द्वितीय वर्ष में सीट रिक्त होनी चाहिए। यदि किसी एक ही रिक्त स्थान पर 2 या 2 से अधिक आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो उस प्रशिक्षणार्थी को प्राथमिकता दी जाएगी, जिसने पहले आवेदन किया है।

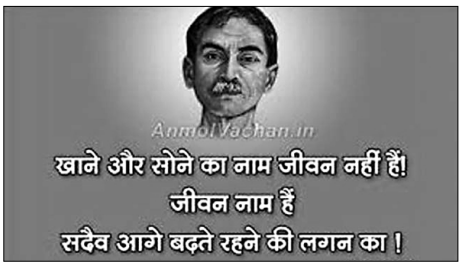

रोजगार से जुड़े 21 प्रशिक्षणार्थी

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान एवं आईसीआईसीआई फाउण्डेशन स्वरोजगार उद्यमिता संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे 45 दिवसीय मोबाईल रिपेयरिंग प्रशिक्षण का समापन हुआ। संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने बताया कि नि:शक्तजन को स्वरोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि से संस्थान नि:शुल्क विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षणों का संचालन कर रहा है। संस्थान निदेशक श्रीमती वन्दना अग्रवाल ने समापन समारोह में प्रशिक्षण पूरा करने वाले 21 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र व टुल कीट प्रदान दिए। प्रशिक्षण प्रतिवेदन प्रशिक्षक मनप्रीत सिंह ने प्रस्तुत किया। संचालन परियोजना प्रभारी श्रीमती यशोदा पणिया ने किया।